रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

08, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शुकवार, 21 अप्रैल, 2023 पृष्ठः 8 मू

मृदा उर्वरता प्रबंधन हेतु,चलाया मृदा परीक्षण जागरूकता अभियान

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज से एक माह के लिए जनपद में मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान की आज गांव मुरीदपुर से शुरुआत की गई। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिए मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर खान ने किसानों को मृदा नमूना एकत्रित करने की विधियां,खेत से मृदा नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत,टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा एवं गुणवत्ता युक्त उपज के लिए मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करने पर किसानों को जागरूक करना है। जागरूकता अभियान के दौरान पूरे गांव में एक रैली का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर लोग ष्महान है मिट्टी जांच कराने की सोच, फिर आगे आने में कैसा संकोचष जैसे नारे भी लगा रहे थे। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ.शशि कांत,गौरव शुक्ला एवं प्रगतिशील कृषक बाणेश्वर,राम बिहारी, विनोद कुमार,धर्मवीर सिंह एवं धीरेंद्र सिंह सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

ी सरनेम पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी... 12

घटनास्थल पर पहुंची जांच टीम ने किया अतीक... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ

वर्ष: 14 | अंक: 188

मूल्य: ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

शुक्रवार | 21 अप्रैल, 2023

मृदा परीक्षण कराने के लिए किसानों को जागरूक किया

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा एक माह के लिए जनपद मे मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसकी शुरुआत गुरुवार को गांव मुरीदपुर से की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को मृदा नमूना एकत्रित करने की विधियां, खेत से मृदा नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विषय पर जानकारी दी। मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत, टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा एवं गुणवत्ता युक्त उपज के लिए मिट्टी को समृद्ध करना है।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शुक्रवार • 21 अप्रैल • 2023

मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिये चलाया परीक्षण अभियान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने शुरू किया जागरूकता कार्यक्रम

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत किसानों को वताया गया कि वेहतर फसल व मिट्टी की उर्वरकता वनाये रखने के लिये मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह अभियान एक माह तक चलाया जायेगा।

मृदा परीक्षण अभियान की शुरुआत मुरीदपुर गांव से की गयी। अभियान के दौरान मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को वताया कि खेतिहर भूमि के उर्वरकता प्रवंधन के लिये मृदा परीक्षण कितना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को मृदा नमूना एकत्र करने की विधियां, खेत से मृदा का नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों और मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों से विस्तार के साथ चर्चा की। उन्होंने वताया कि मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत, टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा और गुणवत्तायुक्त उपज के लिये मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करने को लेकर किसानों को जागरूक करना है। जागरूकता अभियान के दौरान पूरे गांव में एक रैली का आयोजन भी किया गया। रैली में शामिल लोग 'महान है मिट्टी की जांच कराने की सोच, फिर आगे आने में कैसा संकोच' जैसे नारे लगा कर मृदा परीक्षण के लिये लोगों को आगे आने की प्रेरणा दे रहे थे। इस मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ.शशिकांत, गौरव शुक्ला व किसान वाणेश्वर, रामविहारी, विनोद कुमार, धर्मवीर सिंह और धीरेन्द्र सिंह आदि थे।

दैनिक जागरण कानपुर देहात 21/04/23

खेत की मिट्टी को जरूर कराएं जांच

संवाद सूत्र, सरवनखेड़ा : खेत की मिट्टी की जांच किसान जरूर कराएं इससे उसकी गुणवत्ता का पता चल जाएगा। मिट्टी की ताकत के अनुसार ही किसान फसल करें। यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने कही।

मुरीदपुर अकबरपुर में किसानों से उन्होंने कहा कि मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिए मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। डाक्टर ने किसानों को मृदा नमूना एकत्रित करने की विधियां, खेत से मृदा नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत, टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा एवं गुणवत्ता युक्त उपज के लिए मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करने पर किसानों को जागरूक करना है। जागरूकता अभियान के दौरान पूरे गांव में एक रैली का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर लोग महान है मिट्टी जांच कराने की सोच, फिर आगे आने में कैसा संकोच जैसे नारे भी लगा रहे थे। इस अवसर पर कृषि विज्ञानी डा. शशि कांत, गौरव शुक्ला, प्रगतिशील किसान बाणेश्वर, रामबिहारी, विनोद कुमार, धर्मवीर सिंह एवं धीरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

गोष्ठी मे शामिल किसान ● खलील खान

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार 20 अप्रैल, 2023 | अंक - 355

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY E-

मृदा उर्वरता प्रबंधन हेतु चलाया मृदा परीक्षण जागरूकता अभियान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा आज से एक माह के लिए जनपद में मृदा परीक्षण जन जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान की आज गांव मुरीदपुर से शुरुआत की गई। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को बताया कि मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिए मृदा परीक्षण अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर खान ने किसानों को मृदा नमूना एकत्रित करने की विधियां, खेत से मृदा नमूना लेने की तकनीकी, विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व एवं मिट्टी परीक्षण तकनीकों के विभिन्न पहलुओं पर किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि मृदा परीक्षण जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कम कृषि लागत, टिकाऊ खेती, आजीविका सुरक्षा एवं गुणवत्ता युक्त उपज के लिए मिट्टी को समृद्ध और संरक्षित करने पर किसानों को जागरूक करना है। जागरूकता अभियान के दौरान पूरे गांव में एक रैली का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर लोग 'महान है मिट्टी जांच कराने की सोच, फिर आगे आने में कैसा संकोच' जैसे नारे भी लगा रहे थे। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. शशि कांत, गौरव शुक्ला एवं प्रगतिशील कृषक बाणेश्वर, राम बिहारी, विनोद कुमार, धर्मवीर सिंह एवं धीरेंद्र सिंह सहित 60 से अधिक किसान उपस्थित रहे।